साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
रवीन्द्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110001
दूरभाष : +91-11-23386626-28, फैक्स : +91-11-23382428
ई-मेल : secretary@sahitya-akademi.gov.in
वेबसाइट : http://www.sahitya-akademi.gov.in

Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110001
Phone : +91-11-23386626-28, Fax : +91-11-23382428
E-mail : secretary@sahitya-akademi.gov.in
Website : http://www.sahitya-akademi.gov.in

के. श्रीनिवासराव
सचिव

प्रेस विज्ञप्ति

अंतरराष्ट्रीय साहित्य उत्सव उन्मेष का दूसरा दिन
गुलजार और दीप्ति नवल ने भी की शिरकत
यह उत्सव हमारे लिए गौरव की बात – सुरेश भारद्वाज
नगाड़ा वादन ने किया दर्शकों को मोहित

शिमला 17 जून 2022। तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय साहित्य उत्सव उन्मेष के दूसरे दिन के मुख्य आकर्षण गुलजार और दीप्ति नवल रहे। प्रख्यात गीतकार गुलजार से संगीतकार विशाल भारद्वाज ने फिल्मी गीतों में साहित्यिक सौंदर्य पर बातचीत की। इस संगीतमय प्रस्तुति में गुलजार ने कहा कि उनके गीतों के लिखने के तरीके उनके माध्यमों पर निर्भर करते हैं कि उन्हें किसके लिए लिखा जा रहा है। उनका कहना था कि जब वे फिल्मों या किताबों के लिए लिखते हैं तो उन्हें अलग भावनात्मक प्रक्रिया से गुजरना होता है। फिल्मी गीत लिखने के लिए मुझे फिल्म की पृष्ठभूमि, डायलॉग और धुन आदि का विशेष ध्यान रखा जाता है। जब मैं स्वयं के लिए लिखता हूँ तो वह बस मेरी भावनाओं की सीधी–सीधी अभिव्यक्ति होती है। संगीतकार विशाल भारद्वाज बातचीत के दौरान कई गीतों को गाकर और धुनों के साथ प्रस्तुत भी किया जिसमें उनका सहयोग मयूख सरकार ने किया। प्रख्यात अभिनेत्री दीप्ति नवल ने अपनी शीघ्र ही प्रकाशित होने वाली संस्मरण पुस्तक *ए कंट्री कॉल्ड चाइल्डहुड* के कुछ मुख्य अंश पढ़े और अपनी ताजी कविताएँ प्रस्तुत कीं। इस पुस्तक में उन्होंने अपने बचपन के बारे में विस्तार से लिखा है। अपने फिल्मी जीवन तथा अन्य संस्मरण भी उन्होंने श्रोताओं से साझा किए। इस बातचीत में उनके साथ प्रख्यात पत्रकार रत्नोत्तमा सेनगुप्ता थीं।

उत्सव के दौरान आज विभिन्न विषयों पर परिचर्चा एवं रचना–पाठ के 25 कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिसमें मुख्य थे – आदिवासी लेखकों के समक्ष चुनौतियाँ, ग़ैर–मान्यता प्राप्त भाषाओं में वाचिक महाकाव्य, एलजीबीटीक्यू लेखकों द्वारा प्रथम लेखकीय अनुभव, लेखिका सम्मिलन, अनुवाद के माध्यम से संस्कृतियों का समन्वयीकरण, विश्व की कालजयी कृतियाँ एवं भारतीय लेखन, मीडिया, साहित्य और स्वाधीनता आंदोलन, युवा साहिती, भारत में भक्ति साहित्य और हिमाचल प्रदेश स्थानीय भाषाओं की लोकगीतों की प्रस्तुति आदि कुछ प्रमुख कार्यक्रम थें।

रिज़ परिसर में आज सायं सांस्कृतिक कार्यक्रम नगाड़ा वादन का था, जिसे प्रसिद्ध नगाड़ा वादक नाथू लाल सोलंकी और उनके साथियों ने अपनी प्रस्तुत किया। इस अवसर पर राजस्थानी गीतों और सूफ़ी गायन के साथ नगाड़ा वादन की जुगलबंदी ने खूब प्रशंसा प्राप्त की। कार्यक्रम के आरंभ में साहित्य अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने हिमाचल प्रदेश के शहरी विकास एवं कानून मंत्री एवं शिमला के विधायक सुरेश भारद्वाज एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त हिमाचल प्रदेश सरकार प्रबोध सक्सेना का स्वागत अंगवस्त्रम् एवं पुष्पगुच्छ भेंट करके किया। माननीय मंत्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि साहित्य अकादेमी एवं संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार ने इस अंतरराष्ट्रीय साहित्य उत्सव के आयोजन के लिए शिमला, हिमाचल प्रदेश को चुना। यह हमारे लिए गौरव की बात है। उन्होंने शिमला में आए सभी साहित्यकारों का स्वागत करते हुए कहा कि आप सबके विचारों से हिमाचल के साहित्यकारों और युवा पीढ़ी के रचनाकारों को प्रेरणा मिलेगी।

कल उत्सव के अंतिम दिन 23 कार्यक्रमों और प्रख्यात दास्तानगो महमूद फारूक़ी दास्तान–ए–कर्ण : अज़ महाभारत की प्रस्तुति से समापन होगा।

(के. श्रीनिवासराव)